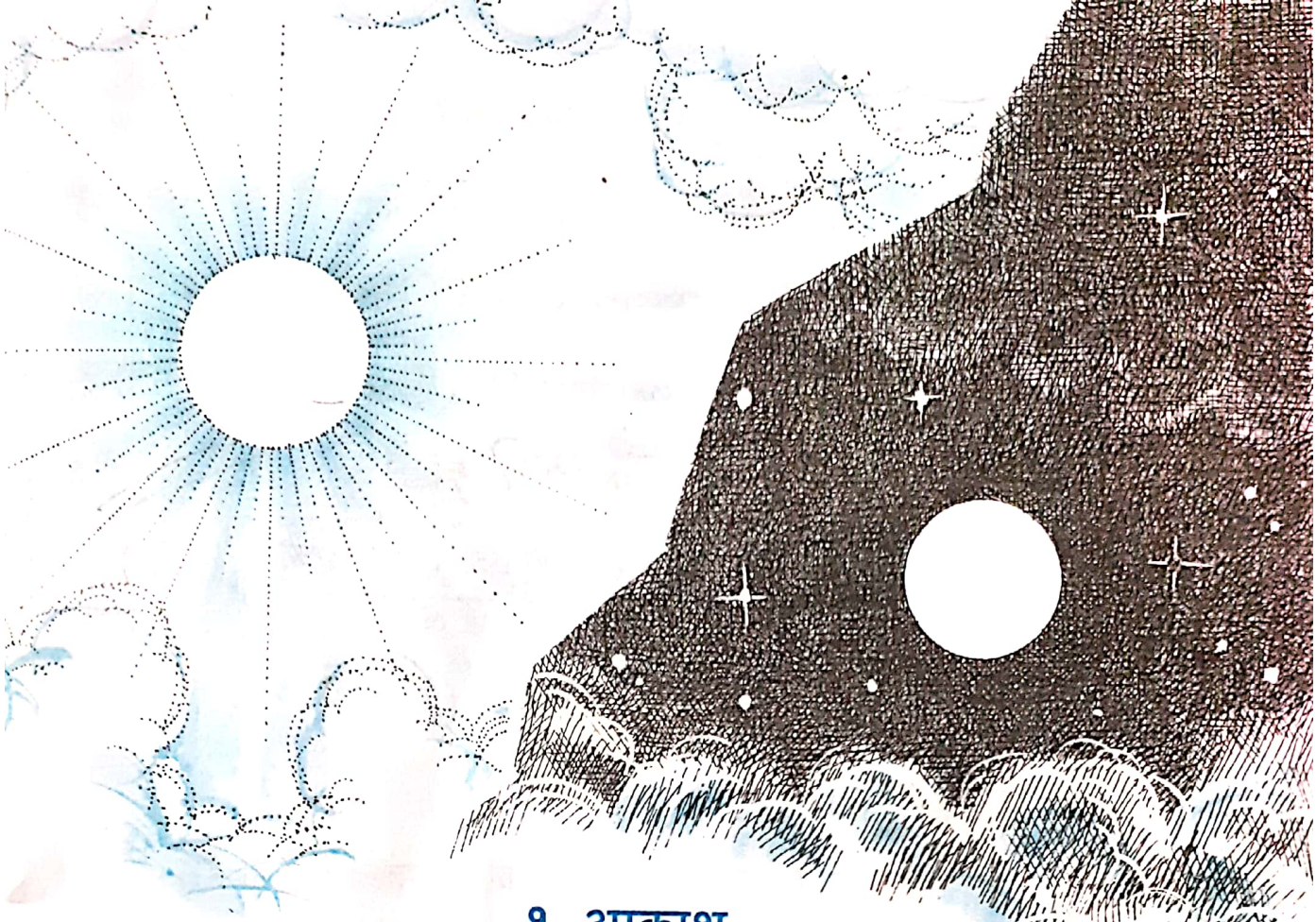

१. आकाश

ऊपर देखो।

कितना बड़ा आकाश है! उसका रंग हल्का नीला है। उसमें बादल उड़ रहे हैं।

दिन में आकाश में सूरज चमकता है। दोपहर के समय सूरज का प्रकाश बहुत तेज़ होता है। कोई सूरज की तरफ देख भी नहीं सकता। सूरज के प्रकाश को धूप कहते हैं।

रात को आकाश में चाँद और तारे चमकते हैं। पूनम की रात को पूरा चाँद बहुत अच्छा लगता है। चाँद के प्रकाश को चाँदनी कहते हैं। तारे असंख्य होते हैं। वे जगमग-जगमग करते हैं।

बरसात में आकाश में काले-काले बादल उमड़ते हैं। उनसे बरसात होती है। कभी-कभी वर्षाऋतु में आकाश में इन्द्रधनुष दिखाई देता है। उसमें सात रंग होते हैं। आकाश में पक्षी उड़ते हैं। आकाश में पतंगें उड़ती हैं और हवाई-जहाज भी उड़ते हैं। आकाश का कहीं अंत नहीं है।

हल्का	असंख्य	जगमग	वर्षाऋतु	इन्द्रधनुष

स्वाध्याय

१. रिक्त स्थान भरो :

(क) आकाश का रंग हल्का ---------- है।

(ख) ---------- के समय सूरज का प्रकाश बहुत तेज़ होता है।

(ग) तारे ---------- होते हैं। वे ---------- करते हैं।

(घ) ---------- की रात को पूरा चाँद बहुत अच्छा लगता है।

(च) सूरज के प्रकाश को ---------- कहते हैं।

(छ) चाँद के प्रकाश को ---------- कहते हैं।

(ज) कभी-कभी वर्षाऋतु में आकाश में ---------- दिखाई देता है।

(झ) आकाश का कहीं ---------- नहीं है।

२. नीचे लिखे शब्दों के शुद्ध रूप लिखो :

आकास, निला, दुपहर, पुनम, सोभा, बरषारितु, सुरज, हलका।

३. सीखो :

इन्द्रधनुष के सात रंग : **(१) लाल (२) नारंगी (३) पीला (४) हरा (५) आसमानी (६) नीला (७) जामुनी।**

* * *